➢ Report of the program organised in collaboration with Counselling & Guidance Cell with Department of Education

Brochure:

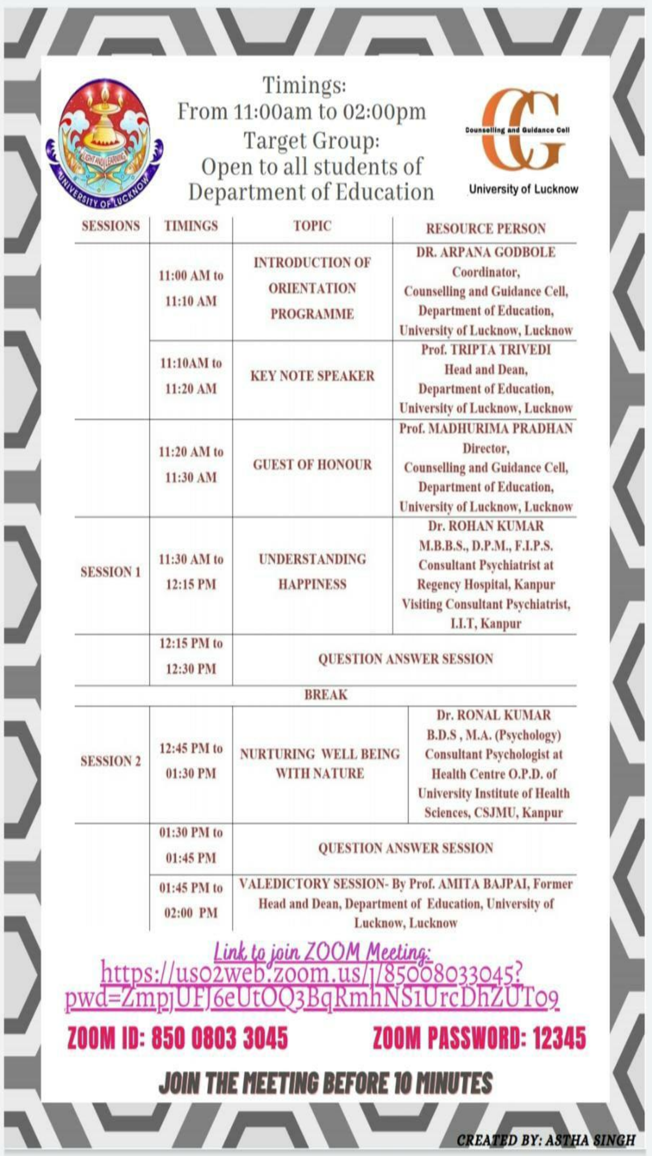

Name of Department: - Department of Education, University of Lucknow

Topic: - **Happiness and Well-being: Need of the Hour**

Resource person: -

1. Dr. Rohan Kumar
   Consultant Psychiatrist, Regency Hospital, Kanpur
   Visiting Consultant Psychiatrist, I.I.T. Kanpur
   Visiting Faculty for taking Certificate Course in Happiness at CSJMU, Kanpur

2. Dr. Rohan Kumar
   Consultant Psychologist at Health Centre O.P.D. of University Institute of Health Sciences, CSJMU, Kanpur
   Visiting Faculty for taking Certificate Course in Happiness at University Institute of Health Sciences, CSJMU, Kanpur
   Consultant Psychologist and Mental Health Counsellor at Caring Minds, Kanpur

No of participants:

- Around 50 Students of Department of Education

Main points covered: -

- The objective of the program was to convey the views on the impact of happiness, why to be happy, need of the happiness & education, find the interrelation between both and how can we include happiness in our daily life through education or how can we cope up with the changes of such pendemic situations.

Feedback of students:

- It was really the need of the hour to be happy, live happy & know how to give happiness others. It was nice experience to attend such program.
- Beautifully explained both sessions by both resource persons.
- Thankyou so much to the Department of Education & Counselling & Guidance Cell for organising such an informative & wonderful programme which is very useful by seeing the present condition.
- The second session was immensely good as we get lots of ideas for connecting wellbeing with nature.

Few Pics: -

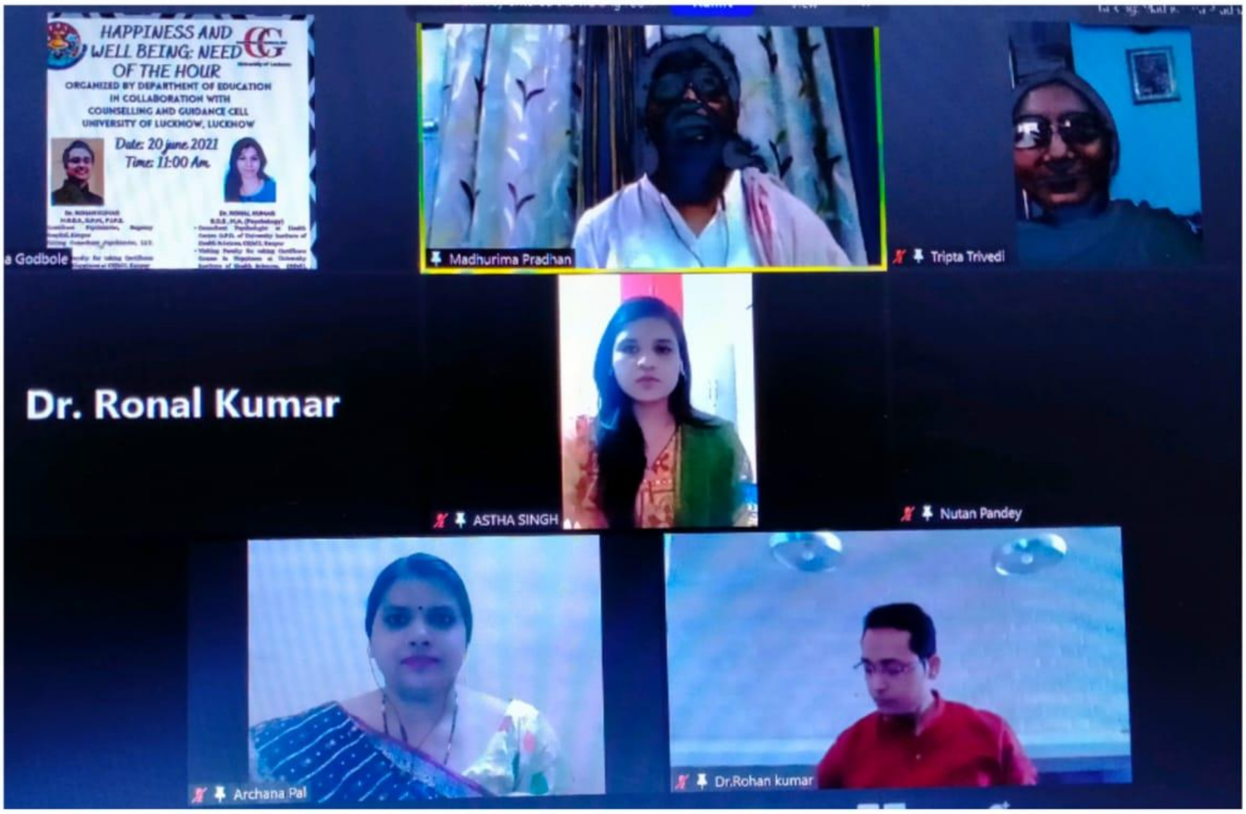
HAPPINESS AND WELL BEING: NEED OF THE HOUR
ORGANIZED BY DEPARTMENT OF EDUCATION
IN COLLABORATION WITH
COUNSELLING AND GUIDANCE CELL
UNIVERSITY OF LUCKNOW, LUCKNOW
Date: 20 june 2021
Time: 11:00 Am
Madhurima Pradhan
Tripta Trivedi
Dr. Ronal Kumar
ASTHA SINGH
Nutan Pandey
Archana Pal
Dr.Rohan kumar

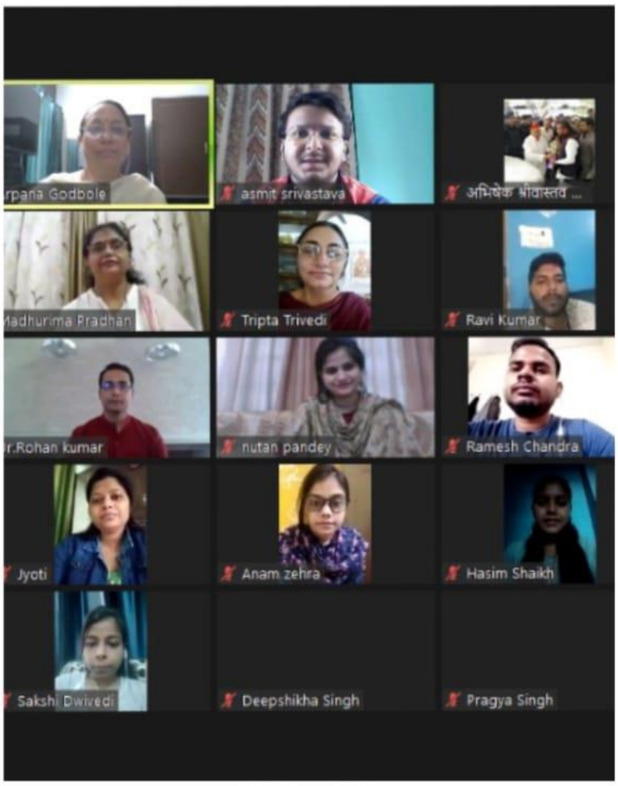
rpana Godbole
asmit srivastava
अभिषेक श्रीवास्तव ...
Madhurima Pradhan
Tripta Trivedi
Ravi Kumar
r.Rohan kumar
nutan pandey
Ramesh Chandra
Jyoti
Anam zehra
Hasim Shaikh
Sakshi Dwivedi
Deepshikha Singh
Pragya Singh

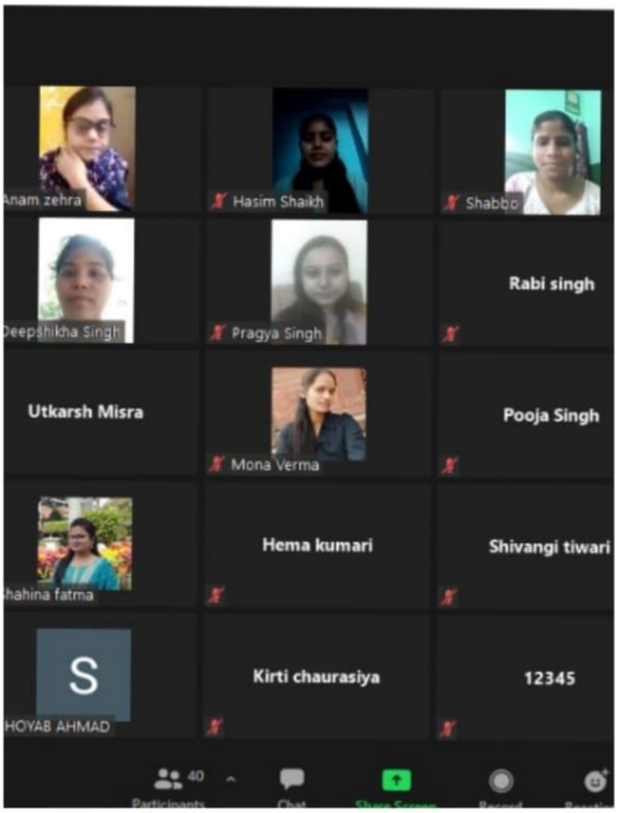
Anam zehra
Hasim Shaikh
Shabbo
Deepshikha Singh
Pragya Singh
Rabi singh
Utkarsh Misra
Mona Verma
Pooja Singh
hahina fatma
Hema kumari
Shivangi tiwari
S
HOYAB AHMAD
Kirti chaurasiya
12345
40

Press Coverage: -

University in News on 21 June 2021

University of Lucknow | Centenary Year

लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

HINDUSTAN PAGE 8

समाज कार्य के लिए राष्ट्रीय परिषद की स्थापना जरूरी

वेबिनार

लखनऊ। कार्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और मानव सेवा व्यवसाय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन सामाजकार्य विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया। जिसमें राष्ट्रीय समाज कार्य शिक्षा परिषद की स्थापना के लिए भारत में छह क्षेत्रीय समितियां बनाई गई हैं। इसमें समाज कार्य के लिए राष्ट्रीय परिषद की स्थापना पर बल दिया।

छह जोनल कमेटियों में से चार राज्यों- उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की सेंट्रल जोन कमेटी ने समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में प्रथम अध्याय का आयोजन किया। वेबिनार में सेंट्रल जोन के इन चारों राज्यों के समाज कार्य विभाग के शिक्षाविद व छात्र शामिल हुए।

लखनऊ के समाज कार्य विभाग के शोधार्थी अंजलि शाही और अमरीन खान पूरे वेबिनार के मॉडरेटर रहे। वेबिनार में प्रो बलराज चौहान कुलपति, धर्मशास्त्र राष्ट्रीय लॉ विश्वविद्यालय, जबलपुर, प्रो जेपी पचौरी कुलपति हिमालय विवि, प्रो आरपी अध्यक्ष, एनएपीएसडब्ल्यूआई, नई दिल्ली, प्रो. एस.वी. सुधाकर पूर्व कुलपति, डॉ बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय श्रीकाकुलम आदि ने अपने विचारों को रखा।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

जुनून एवं मूल्यों का योगफल है सफलता : डा. सेंगर

लविवि में इंटर सेमेस्टर ग्रुप डिस्कशन प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित विधि संकाय की मूट कोर्ट एसोसिएशन द्वारा प्रथम प्रोफेसर एस.के. सिंह मेमोरियल इंटर सेमेस्टर ग्रुप डिस्कशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि आईआईएम लखनऊ के प्रोफेसर डा. डी.एस. सेंगर मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जुनून और मूल्यों का योगफल ही सफलता है।

उन्होंने छात्रों को अपने जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए नियमबद्ध होने की सीख दी, साथ ही छात्रों को अपने जीवन में उद्देश्य खोजने के लिए कहा। उन्होंने विधि संकाय द्वारा ग्रुप डिस्कशन प्रतियोगिता आयोजित किए जाने पर प्रसन्नता जताई और कहा कि ऐसी प्रतियोगिता टीम बिल्डिंग की सीख देती है। उन्होंने छात्रों से हाव भाव की भाषा पर ध्यान देने के साथ-साथ इशारे एवं आसन को अच्छा करने की बात कही। उन्होंने प्रतिभागियों को सदा हृदय की सुनें, तर्कशक्ति का निखार करें एवं भावुक ना हो कहकर शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि स्वर्गीय प्रोफेसर एस.के. सिंह के दोनों पुत्र कैंट जनरल हॉस्पिटल, बरेली के चीफ मेडिकल ऑफीसर डाक्टर विजय विक्रम सिंह एवं मेडिकल ऑफिसर डाक्टर विकास विक्रम सिंह मौजूद रहे। डाक्टर विजय विक्रम सिंह ने अपने पिता की स्मृति में प्रतियोगिता का आयोजन किए जाने पर खुशी जताई और अपने पिता के जीवन के उदाहरण से छात्रों को बताया कि कैसे डाक्टर एस.के. सिंह लक्ष्य बनाकर उसे पाने में लग जाते थे। डाक्टर विकास विक्रम सिंह ने अपने पिता द्वारा दी हुई सीख 'जीवन में नियमावली आवश्यक है' के बारे में बताया। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में 36 प्रतिभागियों को छह वर्चुअल रूम्स में बांटकर जोड़ा गया।

प्रतियोगिता के अंतिम चरण में बतौर निर्णायक एवं मुख्य अतिथि सिविल जज (सीनियर डिविजन), ललितपुर सुनील कुमार सिंह एवं निर्णायक तथा विशिष्ट अतिथि सिविल जज (जूनियर डिविजन), बांसगांव गोरखपुर आशीष कुमार सिंह मौजूद रहे। प्रतियोगिता के समापन समारोह के दौरान जज सुनील कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को जीवन में उपयोग आने वाली कई महत्वपूर्ण सलाह दी। उन्होंने बताया की विधि की शिक्षा चुनौतीपूर्ण है परंतु अच्छे से किए जाने पर प्रतिफल देने वाली भी है। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने कार्य को टालने से बचने की सलाह भी दी।

जज आशीष कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को ग्रुप डिस्कशन में सर्वश्रेष्ठ करने के लिए उपयोगी सलाह दी। उन्होंने बताया कि अपने विचार को एक बार देखने के बाद पुनः उसी विचार को मत रखें एवं अपनी बात कहने के पश्चात दूसरों को भी अपनी बात रखने का मौका दें। प्रतियोगिता में तीन वर्षीय एलएलबी के सौरभ सिंह प्रथम, पांच वर्षीय एलएलबी ऑनर्स के अनादि तिवारी रनर्स अप एवं जीडी कोर्ट सी बेस्ट ग्रुप रहा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 6

विद्यार्थियों को दिए खुश रहने के टिप्स

'हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग : नीड ऑफ द ऑवर' पर ऑनलाइन कार्यक्रम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग एवं कॅरिअर एंड गाइडेंस सेल के सहयोग से रविवार को 'हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग : नीड ऑफ द ऑवर' विषय पर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को जीवन में खुशी की अवधारणा से परिचित कराना था।

मुख्य वक्ता मनोचिकित्सक डॉ. रोहन कुमार और मनोवैज्ञानिक डॉ. रोनल कुमार ने हैप्पीनेस के प्रभाव, खुश क्यों रहें, खुश कैसे रहा जा सकता है और वो कौन से तरीके हैं, जिन्हें हम सभी को जीवन में शामिल करना चाहिए। वेल बीइंग को कैसे हम प्रकृति के साथ जोड़कर खुद को मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से भी पोषित कर सकते है, के बारे में विद्यार्थियों को बताया। कार्यक्रम में डीन एजुकेशन प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, समन्वयक डॉ. अर्पणा गोडबोले ने भी विचार रखे। वहीं निदेशक कॅरिअर एंड गाइडेंस सेल प्रो. मधुरिमा प्रधान ने बताया कि कैसे एक खुश दिमाग जीवन की बाधाओं को दूर कर सकता है। कार्यक्रम में शोधार्थी अर्चना पाल, आस्था सिंह और नूतन पांडेय समेत काफी विद्यार्थियों ने शिरकत की। (माई सिटी रिपोर्टर)

नई नीति से बदलेगी शिक्षा की दशा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सहयोग से रविवार को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और मानव सेवा व्यवसाय' पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें प्रो. बलराज चौहान कुलपति, धर्मशास्त्र राष्ट्रीय लॉ विश्वविद्यालय, जबलपुर, प्रो. जेपी पचौरी कुलपति हिमालय विवि देहरादून, प्रो. आरपी द्विवेदी अध्यक्ष, एनएपीएसडब्ल्यूआई नई दिल्ली और पूर्व निदेशक, गांधी अध्ययन पीठ, एमजीकेवीपी, वाराणसी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विस्तार से चर्चा की और इसके महत्व व आने वाली परेशानियों पर मंथन किया। लविवि के शोधार्थी अंजलि शाही और अमरीन खान वेबिनार के मॉडरेटर रहे। डॉ. नसीम अहमद ने ज्ञापित किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

सोमवार, 21 जून, 2021

एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम पर रिपोर्ट हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग नीड ऑफद ऑवर

लखनऊ, (यूएनएस)। शिक्षा विभाग एवं परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से, आयोजित की गई शैक्षणिक गतिविधियों की श्रृंखला के द्वितीय भाग के रूप में, आज हैप्पीनेस एंड वेलबीइंग नीड ऑफ द ऑवर पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों

के लिए कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अर्पणा गोडबोले, एवं आयोजक समिति के अंतर्गत शिक्षा विभाग के शोधार्थियों, अर्चना पाल,आस्था सिंह और नूतन पांडे के प्रयासों की सराहना की। प्रो. मधुरिमा प्रधान, निदेशक, परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, लखनऊ विश्वविद्यालय ने इस पूरे व्याख्यान को पंचकोश से जोड़ते हुए बताया कि इन पांचों

my city अमर उजाला

विद्यार्थियों को दिए खुश रहने के टिप्स

'हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग : नीड ऑफ द ऑवर' पर ऑनलाइन कार्यक्रम

एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम पर रिपोर्ट हैप्पीनेस एंड वेल बीइंगः नीड ऑफ द ऑवर

मोहम्मद तारिक
संपादक सहारा टुडे

लखनऊ शिक्षा विभाग एवं परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से, आयोजित की गई शैक्षणिक गतिविधियों की श्रृंखला के द्वितीय भाग के रूप में, आज 20 जून 2021 को %हैप्पीनेस एंड वेलबीइंग- नीड ऑफ द ऑवर% पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को जीवन में खुशी की

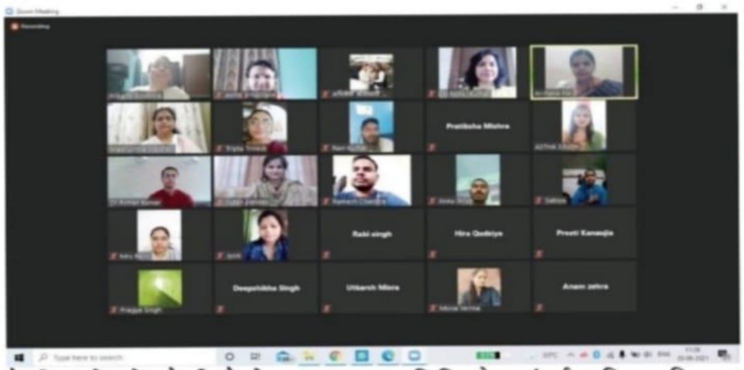

हैप्पी क्यों रहें, हैप्पी कैसे रहा जा सकता है और वो कौन से तरीक़े है जिन्हें हम सभी को जीवन में शामिल करना चाहिए और वेलबीइंग को कैसे हम प्रकृति के

समिति के अंतर्गत शिक्षा विभाग के शोधार्थियों, अर्चना पाल,आस्था सिंह और नूतन पांडे के प्रयासों की सराहना की। प्रो. मधुरिमा प्रधान, निदेशक, परामर्श

लखनऊ सोमवार 21 जून 2021 2

एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम पर रिपोर्ट हैप्पीनेस एंड वेल बीइंगरू नीड ऑफ द ऑवर

शिक्षा विभाग एवं परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से, आयोजित की गई

शैक्षणिक गतिविधियों की श्रृंखला के द्वितीय भाग के रूप में, आज 20 जून 2021 को शहैप्पीनेस एंड वेलबीइंगरू नीड ऑफ द ऑवरश पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को जीवन में खुशी की अवधारणा से परिचित कराना था। उद्घाटन और समापन के साथ कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. रोहन कुमार, सलाहकार मनोचिकित्सक और डॉ. रोनल कुमार, सलाहकार मनोवैज्ञानिक, ने क्रमशः अंडरस्टैंडिंग हैप्पीनेस तथा नरचरिंग वेलबीइंग विद नेचर विषय पर अपने विचार व्यक्त किये जिनके अंतर्गत दोनों विशेषज्ञों ने हैप्पीनेस के प्रभाव, हैप्पी क्यों रहें, हैप्पी कैसे रहा जा सकता है और वो कौन से तरीके

वहीद भारत टाइम्स
हिन्दी दैनिक

लखनऊ, सोमवार 21 जून 2021 4

एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम पर रिपोर्ट हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग : नीड ऑफ द ऑवर

Another portal coverage: -

- जीवन में ख़ुश रहने के लिए मनोमय कोश की भूमिका महत्वपूर्ण https://www.voiceofcapital.page/2021/06/The%20role-of-a-psychotropic-dictionary-is-important-for-being-happy-in-life.html

- https://newsoneindia.com/118521.htm

- https://www.sbharat.co.in/2021/06/blog-post_427.html

- https://www.facebook.com/100021609905893/posts/902184077178581/?app=fbl

- https://www.reportercoverage.com/?p=11335

- https://aapkikhabar.com/local/happiness-and-well-being-need-of-the-hour/cid3393688.htm

Hindi Press note:

एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम पर रिपोर्ट 'हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग: नीड ऑफ द ऑवर'

शिक्षा विभाग एवं परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से, आयोजित की गई शैक्षणिक गतिविधियों की श्रृंखला के द्वितीय भाग के रूप में, आज 20 जून 2021 को 'हैप्पीनेस एंड वेलबीइंग: नीड ऑफ द ऑवर' पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को जीवन में खुशी की अवधारणा से परिचित कराना था। उद्घाटन और समापन के साथ कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. रोहन कुमार, सलाहकार मनोचिकित्सक और डॉ. रोनल कुमार, सलाहकार मनोवैज्ञानिक, ने क्रमशः अंडरस्टैंडिंग हैप्पीनेस तथा नरचरिंग वेलबीइंग विद नेचर विषय पर अपने विचार व्यक्त किये जिनके अंतर्गत दोनों विशेषज्ञों ने हैप्पीनेस के प्रभाव, हैप्पी क्यों रहें, हैप्पी कैसे रहा जा सकता है और वो कौन से तरीक़े है जिन्हें हम सभी को जीवन में शामिल करना चाहिए और वेलबीइंग को कैसे हम प्रकृति के साथ जोड़कर स्वयं को मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से भी कैसे सम्पोषित कर सकते है, के बारे में सभी विद्यार्थियों को बताया।
कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, ने इस तरह के लाभदायक कार्यक्रम के आयोजन के लिए कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अर्पणा गोडबोले, एवं आयोजक समिति के अंतर्गत शिक्षा विभाग के शोधार्थियों, अर्चना पाल,आस्था सिंह और नूतन पांडे के प्रयासों की सराहना की। प्रो. मधुरिमा प्रधान, निदेशक, परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, लखनऊ विश्वविद्यालय ने इस पूरे व्याख्यान को पंचकोश से जोड़ते हुए बताया कि इन पांचों कोशों में ख़ुश रहने के लिए सबसे महत्वपूर्ण भूमिका मनोमय कोश की होती है, के अतिरिक्त अपने विचार साझा किए कि कैसे एक खुश दिमाग जीवन की बाधाओं को दूर कर सकता है। इस कार्यक्रम में लगभग 50 विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम संयोजक
डॉ अर्पणा गोडबोले
शिक्षा विभाग,
लखनऊ विश्वविद्यालय,
लखनऊ।

English Pressnote:

Report on one day online Programme on "Happiness and Well Being: Need of the Hour!!

As a part of Academic Activity of the Department of Education in collaboration with Counselling and Guidance cell, University of Lucknow, Lucknow , a one day online Programme on, 'Happiness and Well Being: Need of the Hour' was organised on 20 June 2021. The objective of the program was to acquaint the participants with the concept of happiness in our life. The programme was held in two sessions along with the Inauguration and valedictory. Key note speakers Dr. Rohan Kumar and Dr. Ronal Kumar conveyed their views on the impact of happiness, why to be happy, happiness and education, well-being and what does it include and need to educate children on happiness and wellbeing.

Prof. Tripta Trivedi, Head and Dean, DoE, LU Congratulated and acknowledged the appreciable step of Dr. Arpana Godbole, Miss Archana Pal, Miss Astha Singh And Miss Nutan Pandey for organising such a profitable program. Prof. Madhurima Pradhan, Director, Counselling and Guidance cell, LU shared her views on how a happy mind can overcome hurdles of life. Around 50 students actively participated in the programme.

Program Coordinator
Dr. Arpana Godbole
Department of Education
University of Lucknow
Lucknow